PHerc224

<D=.1.fragment<=

0. /\*pag. dextra \*/

1. [.5]ϲοφῶν μηδὲν ἀλ

2. [.6]περὶ μηδὲν ἀπλ

3. [.5]ϲ̣ες τῶι τρόπωι καὶ

4. [.6]ε πλὴν παντελῶϲ

5. [.6]τ̣αρ ἑκάϲτοις ἀπαι

6. [.8]οὐκ αι[.1]ν ἐφι

7. [.8]εναν̣ης ἀλλὰ

8. [.8]ο̣υς ἕνεκα [.2]ν

9. [.10]ν̣ῦν δὲ λεγέϲ[θω]

10. [.8]ν ῥητορικῆϲ

11. [.8]ν δυνατ[.1]επε

12. [.8]ουι̣[.2] φη[.3]οι

13. [.8]ο παρα[.4]πι

14. [.7]καὶ δὴ καὶ πα

15. [.12]αικαϲκ

16. [.11]ο̣υ αὐτὰ

17. lost.10lin

=>=D>

<D=.2.fragment<=

0. [κατὰ τοὺϲ][.3][φιλοϲ]

1.- [ο]φήσαντα[ϲ] εἶναι γνωστὸ[ν]

2. [ἔ]δει διὰ τῆς [γ]ν[ώ]μης αὐτό, [ὃ]

3. [ἔ]κ̣ει̣ τ̣', οὐδ' ἄ[γνωϲ]τον, [ἕνε]

4.- [κα] δὲ τῆς ἀγνωϲίαϲ, ἣν ἅ

5.- [πα]ντες ὡς εἰπεῖν ἐπηχ[οῦ]

6.- [ϲιν] ἡ̣μεῖν, ἀδύνατον καὶ

7. [τοῖϲ] βίοις ἀϲύμφωνόν ἐϲ

8.- [τιν] τὸ πάντα καθ' εἱμα[ρ]

9. [μένη]ν εἶναι ϲχεδὸν παί [.1]

10.- [ζε]ιν ἀ[ρ]έϲαν τοῖς φιλοσό

11.- φοις καὶ τὸ κοινὰς ἔχ[ειν]

12. [τὰς πόλει]ϲ̣ πολλά[κις καὶ]

13. [φίλους] καὶ πράγ[μ̣ατα]

14. [καὶ γυν]αῖκας καὶ τ[έκ]

15.- [να καὶ] ταῦτα τ̣[ούς τε ἄρ]

16. [ϲενας καὶ τὰ]ς θηλ[είαϲ]

17. lost.10lin

=>=D>

<D=.3.fragment<=

1. διαγενέϲθαι τὸ ὕδ[ωρ. Οὐ]

2. γὰρ ἂν κατ' Ἀ[ν]αξα[γόραν]

3. [φ]ήϲαι τις ἀκολούθω[ς πᾶν]

4. ὑπάρχειν ἐν παντ[ί, οὐδ' ἂν]

5. κατὰ τὸ[ν] Χεῖον μὴ τ[.4]

6. ὁμολογῴη̣ τῶι μὴ [εἰδέ]

7. ναι μηδ' αὐτὸ τοῦ̣[το, οὐ]

8.- δὲ κατὰ Παρ[μ]εν[ίδην κ]αὶ

9. Μέλιϲϲον ἓν τὸ πᾶ[ν λέγον]

10.- τας εἶναι καὶ διὰ τὸ̣ [τὰϲ]

11. αἰϲ[θήϲ]εις ψευδε[ῖς εἶναι]

/\* med. pag.\*/

12. [.7] πολλα [.5]

13. [.7]των[.7]

14. [.7]ἅπαντα[.5]

15. [.5][δό]ξαν ατ[.7]

16. [.5]ατατ[.7]

17. [.6]ν μᾶλλο̣[ν] [.6]

18. [.6]δεναιτοις |^ναι^|[.7]

19. lost.9lin

=>=D>

<D=.4.fragment<=

0. /\*pag. dextra\*/

1. [.?]ηκον οὐχὶ ου

2. [.?] [πρ]ο̣τρέπον μὲ̣ν [ἐπὶ]

3. [τὰ καλὰ κ]α<ὶ> συμφέρον[τα πλήθεσιν,]

4. [.?]ἀ̣ποτρέπον [δὲ τῶν αἰσχρῶν καὶ]

5. [.?]βλαπτόν[των καὶ προχω]

6. [.?]ν οὐκ ἐν [δυϲὶν καὶ τοῖϲ]

7. [.?] [αιδ]ροις ἀδι[α]

8. [.?] [ποι]ο̣ύμενος

9. [τὴν ὠφέλειαν ἀλλ'] ἐν δήμωι

10. [.?]ηϲιν, ἐφ' ὧν

11. [.?]αινον

12. [.?]τὸν

13. [λόγον] [.?]εφι

14. [.?]τε

0. /\*pag. sin.\*/

1. τωϲγιν[.?]

2. πλεον[.?]

3. θαι καὶ τοι [.?]

4. ἐρῶν μεν[.?]

5. δεις ἂν ε[.?]

6. ξειε καιτο̣[.?]

7. μεγιϲτο[.?]

8. ποτε δια[.?]

9. ἀλλήλων[.?]

10. τρειβο[.?]

11. τοδε [.?]

=>=D>

<D=.5.fragment<=

0. /\*pag. dextra\*/

1. [.4]οντι τῆς δόξης θεαυ

2. [.4]ς ἐϲτι καὶ <:τοῦτον|alt|τοῦτ' οὐ:> πε

3.- [ρὶ τῶν τ]ῆς ῥητορικῆς αιθε

4. [.?]ο πάντων, ἵνα

5. [.?]τιθωϲι ἀλλὰ δῆ

6.- [λον ὅτι φι]λοϲόφων αὐτῶν,

7. [οὓς ἐν τα]ῖς μεγάλαις πό

8.- [λεϲι τὰς πό]λειϲθωπεύον

9.- [τας παρειλ]ήφαμεν Δαρεῖος

10. [δὲ καὶ ἐπέ]τ̣ελλεν τοῖς ϲα

11.- [τράπαις φυλάξαι πρ]οϲεθέν

12. [ταϲ. Ἀλλ]ὰ̣ κ̣α[ὶ Φί]λιππον

13. [τὸ τῆς ῥητο]ρικῆς αἰ[ϲχρ]ὸν

14. [.?][παρ]α̣ϲκευα

15. [.?] [Σί]ϲυφον

16. [.?]ς προϲ

17. [.?][ὥϲ]τ' οὐχ οἷ[όν τε]

Moneo Aeschinem or. II 42 Demosthenem Sisyphum vocare

=>=D>

<D=.6a.fragment<=

0. /\*pag. dextra\*/

1. [.?]α δ' ἔχειν πε

2. [.?]διὰ φιλοϲο

3. [.?][πα]ρέϲχηται

4. [.?]δεδυνη

5. [.?]των απα

6. [.?]πόλεϲιν

7. [.?]τετρα

8. [.?]τρητων

9. [.?]ἀποτυγ

10.- [χαν][.?]ηϲεν

11. [.?]ἐπιθυ

12. [.?]εγματ[.1]

13. [.?]α̣τον

14. [.?]ηκαν

15. [.?]των

16. [.?]τουν̣

17. [.?]πωι

18. lost.?lin

=>=D>

<D=.6b.fragment<=

0. /\*sin. pag.\*/

1. ταὐτοῦ δ[.?][ἐ]

2.- πιτρεπ[.?]

3. ϲομενων[.?]

4. χειρηϲθα[ι] [.?]

5. ἕκαϲτος α[.?]

6. κον οὐχ ὁ[.?]

7. θαιυ̣[.1]τε[.?]

8. χειν[.1]το̣[.?]

9. ἔχων τὸν̣[.?]

10. μενουϲ[.?]

11. πολιτε[.?]

12. το̣[.1]πα[.?]

13. [.2]ι̣και[.?]

14. ἐϲτιν[.?]

15. διαπ[.?]

16. τι δὴ ῥ[.?]

17. ερθουϲι[.?]

18. lost.?lin

=>=D>

<D=.7.fragment<=

1. τατο. Δι' ἃ δὴ πάντ', ἂ[ν μὲν ἐ]

2.- [πί]ϲημοι τύχωϲιν ὄν[τ̣εϲ]

3. ἀφ' ἧς δή ποτ' αἰτίαϲ, οὐδ̣'

4. ἂν ἑν<ὶ> πιϲτεύ[ο]ι τιϲ, ἃ ὑπ̣

5.- άρχ[ει]ν [εἶπ]ε, ἂν δέ ποτε

6. παραλογιϲθέντες ἢ δ[ιὰ ἐ]

7.- [ρ]αϲτὴν ἀναγκαϲθέν<τεϲ>

8. ἐνχειρίϲωϲι τοιαῦτα πα<ι>

9.- ϲίν, [νὴ] Δία Περϲαῖον κ[αὶ]

10. [Εὔ]δημ[ον] κα[ὶ Λ̣]ύκ[ω]να [καὶ]

11. τοὺς ὁ[μοίο]υ̣ϲ̣ πάν[τ]α̣[ϲ]

12. [παρ]αδ[όν]τες [.3]π[.4][.?]

13. πολ[.3]πων [.2] [.?]

14. ψε[υδ]ῶ[ϲ] [.?]

15. ετωη̣[.5] [.?]

16. εδεαυ̣[.5] [.?]

17. lost.?lin

=>=D>

<D=.8.fragment<=

1. λόγου καλοῦ [ἐϲτιν ϲημεῖ]

2.- ον· τάχα δ' οὐ[δ' ἄλλως τὴν]

3. ῥαβδὸν ἢ τὸ κ̣[ηρυκεῖον]

4. [αἰ]νίττεται· [λέγει γὰρ 'χρυ]

5.- ϲείην, τῇ τ' ἀ[νδρῶν ὄμμα]

6.- τα θέλγει, ὧν [ἐθέλει, τοὺς δ' αὖ]

7.- τε καὶ ὑπν[ώοντας ἐγεί]

8.- ρει'. Διὸ [κ]α[ὶ] Ἀ̣[μφιάραοϲ]

9. εἷς ἦν ἡγεμὼ[ν τῶν ἐπὶ Θή]

10.- βας ἑπτά, Νέ[ϲτωρ δὲ τῶν]

11. ἐπὶ Τρ[οί]αν [ἅτε ὑπάρχον]

12.- τες εὐχά[ριστοι πρὸϲ] [.4]

13.- τον ἢ τὸν[.12]

14. πολλα[.?]

15. την αλ[.?]

16. ρειταϲ[.?]

17. ενκαι[.?]

18. ταδ[.?]

=>=D>

<D=.9.fragment<=

1. τηαϲι τεθρίπποις ἐϲτεφα[νω]

2.- [μ̣]ένος τ̣ε καὶ θεωρήϲας π̣[ο]

3.- τὲ νεα̣νίϲκον ἀπράγμο[να]

4. μέν, εὔπορ[ο]ν δ' ἱκανῶ[ϲ· „οὗ]

5.- τοϲ, εἶπε πρὸς τοὺς συν[όν]

6.- ταϲ, ἐμός ἐϲτιν θηϲαυρ[όϲ”. Ὁ]

7.- [μ̣]οίως δὲ Αἰϲχίνης ἕω[ϲ]

8. [ἦν] ὑ̣ποκριτὴς καὶ γραμμ̣[ατι]

9.- [κόϲ, ἐ]π̣ενήτευεν· εἶτ[α ῥητο]

10.- [ρεύϲας φι]λ̣ό̣ξενος ἐγένετ[ο]

11. [ἁνὴρ καὶ β]αθύπλουτ̣[οϲ·]

12. [ἔτι δὲ Δημοϲ]θένης ται βα[ϲιλέα]

13. [τον] [.4]νπρ[.4]τον [καὶ]

14. [.5]της ἐλάμβανεν [.3]

15. [.5] πολλὰ παι̣ [.2] ατ[.3]

16. [.5]τοϲ[αῦ]τ̣[α] π̣ράγ[ματα]

17. [καὶ δ]ὴ δ[ικ]α[ίως ἐ]λέ[γετο λαβεῖν][.?]

18. lost.?lin

=>=D>

<D=.10.fragment<=

0. /\*pag. dextra\*/

1. [.?][δι]α̣φέρειν διόπε̣[ρ] ἐ

2.- [ν τοῖς ϲυγ]γράμμαϲιν τῶν [ἀνδρῶν] ε̣ὑρέθη τῆς ημε[.?]

3. [.?]ιτον εἰς γλωτ

4. [.?]ρομενον Φιλιπ

5. [.?]φη στρατοπε

6. [.?]ομεν ἐκτὸϲ

7. [.?]ὁπλειτικὸν

8. [.?]ετορικον[.1]ο[.3]

9. [.?]ν αὐτῶι δαι

10. [.?]αυτιϲ[.3]νουϲ

11. αδεπε [.4]

12. [.?]του μὲν π[.1] ο[.1]

12. [.?]εμ[.3]

13. [.?]λλε

14. lost.?lin

=>=D>

<D=.11a.fragment<=

0. /\*pag. dextra\*/

1. [.?]τοτων

2. [.?]ξαμε

3. [.?]φιλοϲοφι

4. [.?]τον κα

5. [.?]νομο

6. [.?]τη καὶ

7. [.?]νκαι

8. [.?]απο

9. [.?]ρωϲ

10. [.?]υ

11. lost.?lin

=>=D>

<D=.11b.fragment<=

0. /\*pag. sin.\*/

1. τους ταραχ[ωδεϲτάτην δύνα]

2.- μιν· ἔνιοι δὲ τ̣[ῶν φιλοσόφων]

3. καὶ διαρρήδη[ν ἤδη ἐπιτάτ]

4. τονται τοῖς κ[ρατοῦϲι κοι]

5.- νὰς εἶναι τὰ̣[ς γυναῖκας καὶ]

6. τὰ τέκνα κα̣[ὶ τοὺς ἄρσενας καὶ]

7. τὰς θηλεία[ϲ][.?]

8. διαφερεϲιϲ[.?]

9. αφερειν πα[.?]

10. καὶ ταῦτα ι[.?]

11. τοίνυν α[.?]

12. ϲυντα[.?]

13. ενπε[.?]

14. ελ [.?]

15. lost.?lin

=>=D>

<D=.12.fragment<=

1. [.4]ν κεχειροτονημένους

2. [.6]ριϲαϲθαι λέγειν αὐτὸν

3. [.5]τοις καὶ διὰ τὴν ἡλι

4.- [κίαν καὶ] διὰ τὴν περὶ τοὺς λό

5.- [γους ἄϲκ]ηϲιν· τὸν δὲ Ξενο

6.- [κράτην, ὡϲ] εἰώθει διαπε

7.- [ραίνεϲθαι] πρὸς θέϲιν ἐν Ἀ

8.- [καδημίᾳ], τὸν αὐτὸν τρό

9.- [πον][.6]τεϲθαι καὶ τὸ [ϲι]

10.- [ωπᾶν καὶ λέγει]ν Ἀντιπα

11.- [τρ][.?]ξαμε

12. [.?]τως λε

13. [.?]ωψεϲ

14. [.?]εφε

15. [.?]αδε

16. [.?]αϲι καὶ

17. [.?]οντα

18. [.?]εσεν

19. lost.?lin

=>=D>

<D=.13.fragment<=

1. μέγα διαφερόντων κ[αὶ τοὺϲ]

2. ϲφετ[ερι]ζομένους τ[ῶ̣ν κοι]

3.- νῶν ἢ κατ' ἄλλον τρ[όπον]

4. λυμαινομένουσ αὐ[τοὶ κο]

5.- λάζοντεϲ, ἀντιταϲ[ϲόμε]

6.- νοι δὲ καὶ δυναϲταῖ[ς περὶ]

7. τῶν μεγίϲτων· δι[ὸ κἀκεί]

8.- νους ἐξατ[ι]μ̣ῶϲ<ι>, τούτο̣[υς δὲ]

9. [καὶ] ἀντιπράττε[ιν ἐοι]

10.- [κό]τας αὑτοῖς ὑπε[.4]

11. [.3]η̣ϲωτο[.1]περιδ[.?]

12. [.4] ο̣ναυ[.1]ενριτ[.?]

13. [.3] δεαλλαδι[.?]

14. [.3] τωϲ[.1]νπολϲ̣[.?]

15. [.6]ουτενιβ[.?]

16. [.6]αὐτῆϲ[.1]υλ[.?]

17. [.6]νϲυ χρηϲτ[.?]

18. [.6]ηων καὶ μ[.?]

19. [.6]ο̣αν τροπ[.?]

20. lost.?lin

=>=D>

<D=.14a.fragment<=

0. /\*pag. dextr.\*/

1. [.8] δὲ χρημάτων δο

2. [.8]οι τὸ δὴ λεγόμε

3.- [νον][.6]ηται παντὸς ε

4. [.11]ις ὥϲπερ τῆϲ

5. [.11] τρων ζώων

6. [ον][.2] [ἐϲκιατρο]φημένων οὕ

7. [τωϲ][.3][ιλυμηι τ]ῶν ἐν ταῖϲ

8. [.2][νιαις ἐσκια]τ̣ροφημένων

9. [φιλοϲόφων] [.6]των τὰϲ

10. [.8][πηρκοτων][.3]νεν

11. [.2][ς ἀλλὰ τοῖϲ][.8]δια

12. και[.2]ϲτο[.10]υϲιν

13. lost.?lin

=>=D>

<D=.14b.fragment<=

0. /\*pag. sin.\*/

1. εργετε̣[.?][πα]

2.- ραϲχο[μεν][.?][τοὺς]

3. μεγαλ[.8][τα]λ̣ [αὕτη δύ]

4.- ναται[.?]

5. διὰ τοῦ [λόγ]ο̣[υ][.6][ἀκολού]

6. θου πρ[.6] [ενροιϲαη̣][.3]

7. πολλὰ [καὶ]μ[.3]ϲ[.7][ὑ]

8.- παρχο̣[.2]ϲ[.8][ραι][.2]

9.- τῶν δ[.?]

10. οϲαπ[.?]

11. τωϲ[.?]

12. ἀλλὰ[.?]

13. χρε[.?]

14.μενου[.?]

15. τους κ[.?]

16. ϲεϲτ[.?]

17. φηϲι

=>=D>

<D=.15.fragment<=

0. [οὔτε]

1. γὰρ ἐν κυ[ϲὶ] λ̣αγ̣[ὼ] φαντα[ϲίαν]

2. παρέχοντα δυνατὸν ϲ[ώζεϲ]

3.- θαι κατ' Ἀριϲτοτέλην οὔ[τε ἐν]

4. ἀνθρώποις κυνῶδες [καὶ]

5. καταφρόνητον ὑπολα[μβα]

6.- [ν]όμενον. Οἱ μὲν οὖν̣ [φιλό]

7.- [ϲο]φοι πανταχῇ τοιοῦτ̣[οι]

8. [φ]α̣ίνονται· διὸ καὶ ϲυκο[φάν]

9. [ται]ς καὶ δυϲμενέϲιν ἄ[γαν]

10. [εὐπρόϲ]ιτο[ι] γείνοντα[ι, καθά]

11. [περ Ἀναξ]αγόρας ο̣σελ̣[.5]

12. [.2][πλε]ίϲτους μ[.?]

13. lost.?lin

=>=D>

<D=.16a.fragment<=

0. /\*pag. dextra\*/

1. [.?]ο̣μένην δια

2. [.?][Στ]ωικὴν καὶ

3. [.?]ης φιλοϲοφι

4. [.?]θουϲαν λε

5. [.?]μόνους κἀν

6. [.?]ϲεινης δο

7. [.?]ης ὑπαίθροιϲ[.?]

8. [.?] [Σο]φοκλε

9. [.?]ϲιτην

10. [.?]αι

11. [.?]δο

12. [.?]α

13. lost.?lin

=>=D>

<D=.16b.fragment<=

0. /\*pag. sin.\*/

1. τὰ μὲν ἄ[λλα] [.?]

2. κατευτ[υχ] [.?]

3. ταύτηϲ[.?]

4. χρείας λ[.?]

5. πονηρου̣[.?]

6. λους καὶ[.?]

7. μάλιϲτα[.?]

8. πιφων[.?]

9. περ ἡ φα[.?]

10. τιθένα[ι] [.?]

11. ως ταυ[.?]

12. τοϲϲιν[.?]

13. τε μηδ[.?]

14. καὶ μὴ μο̣[.?]

15. ἑαυτοὺϲ[.?]

16. καὶ καθόλ[ου] [.?]

17. [ὠ]φελε[.?]

18. διὰ του[.?]

19. μᾶλλον [.?]

=>=D>

<D=.17.fragment<=

1. ανεημη[.4] προϲτεν[.4]

2. δὲ τὸ πε[.4]ἐπιδείξειν [.3]

3. πρὸς τὰς τῶν ϲχολαζό̣[ν]

4.- των ϲυνουϲίας παραϲκ[ευα]

5.- ζ̣όμενον, ὥϲτε καὶ τὴν ὁ[μι]

6.- [λη]τ̣ικὴν ἀρετὴν μόνῃ [τῆι]

7. [ῥητ]ορικῆι προϲτίθεσθαι,[.3]

8. [.10] <:τοίνυν|corr|τοινιν:> ὑπολα̣[μβ]

9. [.9] π̣αντὸς ἁπλῶ[ϲ][.2]

10. [.4] α[.4]ιον εἰ μήτε ῥ[ητορικῶν] [.4]

11. [.9][ἐ]νθήκην εἶν̣[αι][.4]

12. [.3]τ[.3]προϲ[.3] μαι [.3]

13. [.3]ϲαυ[.?]

14. lost.?lin

=>=D>